सीएसए में कुलपति की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की परिचर्चा

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में बीते दिन गुरुवार को सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना व खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना आवश्यक है। यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करने तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी देने के साथ केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दे सकें। उन्होंने रसायनों के कम प्रयोग के सलाह देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35 फीसदी उर्वरकों का प्रयोग करते हैं शेष 65 से 70 फीसदी प्रदूषण बढ़ाते हैं जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ.पी. के. सिंह ने बताया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही है। कार्यक्रम में किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर डॉ.राजीव सिंह, डॉ. डी. पी. सिंह, डॉ. संजीव, डॉ. आई. एन. शुक्ला, डॉ. पी. के. तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

Aaj
कानपुर
14 जुलाई, 2023
11

हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें

सीएसए में हुआ वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 13 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुएविश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है। यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। कुलपति ने

परिचर्चा करते वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञ।

रसायनों के कम प्रयोग की सलाह देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35 प्रतिशत उर्वरकों का प्रयोग करते हैं। शेष 65 से 70 प्रतिशत प्रदूषण बढ़ाते हैं, जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने बताया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही हैं। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. राम बटुक सिंह ने सामूहिक विपणन तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की। वरिष्ठ प्रबंधक किसान काल सेंटर टीवी सिंह ने एफ पीओ के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में किसान किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. डीपी सिंह, डॉ. संजीव, डॉ. आईएन शुक्ला एवं डॉ. पीके तिवारी आदि उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 16 कानपुर, शुक्रवार 14 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

swaroop.in

ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यकः कुलपति

कानपुर। सीएसए के सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य सैद्धांतिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है। तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है क्योंकि विकास ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यावसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्तरोत्तर विकास किया जाना आवश्यक है जिसके लिए तकनीकी अपनाना [illegible] उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल वाटिका के लिए किसानों को प्रेरित करें। तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति द्वारा कहा गया कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया

जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दे। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि तकनीकों की गुणवत्ता के आधार पर शोध विकसित किया जाए जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें। कुलपति द्वारा रसायनों के कम प्रयोग के बारे में [illegible] देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35% उर्वरकों का प्रयोग करते हैं शेष 65 से 70% प्रदूषण बढ़ाते हैं जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही हैं। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ राम बटुक सिंह ने [illegible] विषय तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक किसान कॉल सेंटर डीडी सिंह द्वारा एफ पीओ के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किसान विज्ञान केंद्रों के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ डीपी सिंह, डॉक्टर [illegible], डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉ पी के तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 8, अंक : 46 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
14 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3.00
www.shashwattimes.com

वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का हुआ आयोजन

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है। तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है।यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्तरोत्तर विकास किया जाना आवश्यक है।जिसके लिए तकनीकी आधार मजबूत करना पड़ेगा उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें। तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति द्वारा कहा गया कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दें। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि सब्जियों की गुणवत्ता के आधार पर ब्रांड विकसित किया जाए।जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें।कुलपति द्वारा रसायनों के कम प्रयोग के सलाह देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35त्र उर्वरकों का प्रयोग करते हैं शेष 65 से 70त्र प्रदूषण बढ़ाते हैं जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध पप्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही है। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ राम बटुक सिंह ने सामूहिक विपणन तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक किसान काल सेंटर श्री टीवी सिंह द्वारा एफ पीओ के संबंध में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में किसान किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ डीपी सिंह, डॉक्टर संजीव, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉ पी के तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कानपुर 14/07/2023

तैयारी की जाएगी।

'अलग-अलग सब्जी की पैदावार करें'

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के सब्जी विज्ञान विभाग में वैज्ञानिक परिचर्चा में सब्जी की पैदावार करने वाले किसानों की आय बढ़ाने को लेकर मंथन हुआ।

विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि बाजार के अनुरूप सब्जियों की खेती करें, जिससे फसल खराब न हो। जरूरत न होने पर अलग-अलग सब्जियों की पैदावार कर भी लाभ कमाया जा सकता है। साथ ही कुलपति ने सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित करने का भी निर्देश दिया।

विवि के सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. राम बदुक सिंह ने बताया कि किसानों को सब्जी की नई प्रजातियों के बारे में बताया जा रहा है। निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने बताया कि किसानों की मांग के हिसाब से शोध को बढ़ाया जाए। कार्यक्रम के बाद कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विभाग का निरीक्षण कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर डॉ. डीपी सिंह, डॉ. संजीव, डॉ. आईएन शुक्ला, डॉ. पीके तिवारी आदि मौजूद रहे।

सीएसए विवि के सब्जी विज्ञान विभाग में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

14/07/2023

वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का हुआ आयोजन

(रहस्य संदेश)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है। तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है।यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्तरोत्तर विकास किया जाना आवश्यक है।जिसके लिए तकनीकी आधार मजबूत करना पड़ेगा उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें। तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति द्वारा कहा गया कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दें। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि सब्जियों की गुणवत्ता के आधार पर ब्रांड विकसित किया जाए।जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें।

वैज्ञानिकों व प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का हुआ आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है। तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है।यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्तरोत्तर विकास किया जाना आवश्यक है।जिसके लिए तकनीकी आधार मजबूत करना पड़ेगा उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें। तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति द्वारा कहा गया कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दें। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि सब्जियों की गुणवत्ता के आधार पर ब्रांड विकसित किया जाए।जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें।कुलपति द्वारा रसायनों के कम प्रयोग के सलाह देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35त्न उर्वरकों का प्रयोग करते हैं शेष 65 से 70त्न प्रदूषण बढ़ाते हैं जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध पप्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही है। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ राम बटुक सिंह ने सामूहिक

विपणन तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक किसान काल सेंटर श्री टीवी सिंह द्वारा एफ पीओ के संबंध में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में किसान किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ डीपी सिंह, डॉक्टर संजीव, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉ पी के तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जागरण आई नेक्स्ट कानपुर14/07/2023

मेडिटेशनल फार्मिंग के लिए करें तैयार

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) वीसी डा. आनंद कुमार सिंह ने थर्सडे को वेजीटेबल साइंस डिपार्टमेंट के साइंटिस्टों संग मीटिंग की. कहा कि किसानों को केमिकल बेस्ड खाद के कम से कम यूज और मेडिटेशनल फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित करें. किसानों को मार्केट की डिमांड के अनुरूप वेजीटेबल और मेडिशनल फार्मिंग का सुझाव दें. इस मौके पर डा. राजीव सिंह, डा. डीपी सिंह, डा. संजीव, डा. आईएन शुक्ला, डा. पी के तिवारी आदि मौजूद रहे.

दैनिक जागरण कानपुर 14/07/2023

'औषधीय खेती के लिए किसानों को करें तैयार'

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने गुरुवार को सब्जी विज्ञान विभाग व प्रसार विशेषज्ञों से कहा कि किसानों को औषधीय खेती के लिए प्रोत्साहित करें। बाजार की मांग के अनुरूप सब्जी व औषधि की खेती का सुझाव दें। सब्जी के पौधे केवल 30 से 35 प्रतिशत उर्वरक का प्रयोग करते हैं। किसानों को उर्वरक प्रयोग की विधि भी बताएं।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 14 जुलाई • 2023

'वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती की आवश्यकता'

कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित परिचर्चा के कुलपति डॉ.आनंद सिंह का सम्मान करते आयोजक।

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के ति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि न में ज्ञान आधारित खेती की यकता है। उन्होंने गुणवत्ता के आधार ब्जियों की ब्रांडिंग करने का सुझाव भी

द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक वेद्यालय कानपुर की विज्ञान विभाग में को व प्रसार विशेषज्ञों प वैज्ञानिक परिचर्चा का न किया गया। जिसकी ता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ कुमार सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय न में कुलपति ने कहा कि वर्तमान में आधारित खेती करना और खेती में ेता का समावेश किया जाना अति यक है। यदि किसान ज्ञान एवं ेता दोनों के बीच समन्वय स्थापित ुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे ानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी ो होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का र विकास किया जाना आवश्यक है। लिए तकनीकी आधार मजबूत करना

> गुणवत्ता के आधार पर सब्जियों की ब्रांडिंग करें किसान

के लिए किसानों को प्रेरित करें। बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति ने कहा कि सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दे। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सके। उन्होंने कहा कि सब्जियों की गुणवत्ता के आधार पर ब्रांड विकसित किया जाए। जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें। कुलपति ने रसायनों के कम प्रयोग की सलाह देते हुए कहा कि पौधों के विकास पर केवल 30 से 35 फीसद उर्वरक ही काम आता है, शेष 65 से 70 उर्वरक प्रदूषण बढ़ाते हैं। निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही हैं। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ राम बदुक सिंह ने सामूहिक विपणन तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक किसान कॉल सेंटर टीवी सिंह द्वारा एफपीओ के संबंध में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में किसान किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ.